दैनिक जागरण

पेज – 12 – 03-8-16

सूखे की मार : पिछले फसल वर्ष की पैदावार का चौथा अनुमान जारी

दलहन, तिलहन की पैदावार में भारी कमी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : लगातार दो सालके सूखे के चलते चावल, दलहन और मोटे अनाज की पैदावार में कमी आई है। हालांकि, खाद्यान्न की कुल पैदावार में मामूली बढ़त दर्ज की गई है। कृषि मंत्रालय ने मंगलवार को फसलों की पैदावार का चौथा अग्रिम अनुमान जारी किया है। चावल के बाद प्रमुख फसल गेहूं की पैदावार में संतोषजनक वृद्धि दर्ज की गई है।

वर्ष 2015–16 (जुलाई से जून) में खेती पर सूखे का कुप्रभाव पड़ा था, जिसके चलते पैदावार प्रभावित हुई है। हालांकि, गेहूं की पैदावार पर इसका असर नहीं पड़ा है। कुल खाद्यान्न की पैदावार पिछले साल वर्ष 2014–15 के मुकाबले दो लाख ज्यादा हुई है। 2015–16 में पैदावार 25.22 करोड़ हुई, जबकि 2014–15 में यह 25.20 करोड़ टन थी। दो लाख टन की मामूली वृद्धि हुई है।

चावल की पैदावार 10.43 करोड़ टन हुई है जो पिछले साल के मुकाबले 11.6 लाख टन कम है। लेकिन, गेहूं की पैदावार निर्धारित लक्ष्य 9.47 करोड़ टन से कम जरूर रही, लेकिन पिछले साल की पैदावार के मुकाबले 69.7 लाख टन हुई। कुल पैदावार 9.35 करोड़ टन है।

- गेहूं के साथ खाद्यान्न की कुल पैदावार में संतोषजनक बढ़ोतरी
- दलहन फसलों की पैदावार 1.71 करोड़ टन से घटकर 1.64 करोड़ टन

मोटे अनाज वाली फसलों पर भी सूखे का असर दिख रहा है जिससे पैदावार घट गई है। इसमें लगभग 50 लाख टन की कमी दर्ज की गई है। दलहन फसलों की पैदावार पिछले साल के 1.71 करोड़ टन के मुकाबले घटकर 1.64 करोड़ टन रह गई है। दालों की पैदावार घटने से घरेलू बाजार में दालें पिछले साल के मुकाबले बहुत अधिक मूल्य पर बिक रही हैं। दलहन की उच्चतम पैदावार फसल वर्ष 2013–14 में 1.92 करोड़ टन हुई थी। उसके बाद से उत्पादन में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। तिलहन की पैदावार में भी 22.07 लाख टन की गिरावट का अनुमान है। 2015–16 में पैदावार 2.53 करोड़ टन होगी।

03/8/16

The Hindu – Business Line

Page – 16 – 03-8-2016

New variety of cotton seeds to reach fields next year: Centre

OUR BUREAU

New Delhi, August 2

In their efforts to tackle the menace of pests, such as the whitefly, the country's scientists are developing a new variety of cotton seeds that will reach the fields by next year, Agriculture Minister Radha Mohan Singh informed the Lok Sabha on Tuesday.

"The Bt1 variety of cotton has become old and has lost its merit.

The Bt2 variety is also not in good shape and its merits are also in decline," Singh said in reply to a supplementary question by RS Bittu (Congress) on the whitefly damage to Punjab's cotton crop.

Bittu called for setting up a cotton research centre in the State, the allocated land for which has now been given for setting up an AIIMS.

Fall in cultivable land area

Singh said a central team was in Punjab for two days and had sent its suggestions to the State with regard to preventing the whitefly attack.

The cultivable area under agriculture has declined marginally but this has not affected productivity, except in years when there was a drought, floods and other natural calamities, Singh informed the House.

Replying to a question by Pinaki Mishra (Biju Janata Dal) on Tuesday, Minister Singh said the average area under cultivation had declined to 181.713 million hectares in 2013-14 from 182.209 million hectares during the period from 2007-08 to 2011-12 and 182.938 mha during the 10th Plan period (2002-07), according to official data.

Singh said during Question Hour that State governments would have to take suitable measures to check diversion of agricultural land for non-agricultural purposes, while the Centre was taking steps to increase the cultivable area.

He said that per Agriculture Census data for 2010-11, the average size of the operational holding of land has declined from 1.33 hectares in 2000-01 to 1.15 hectares in 2010-11.

03/8/16